प्रेस विज्ञप्ति

"स्वस्थ इंडिया के लिए एक छात्र, एक खेल की नीति बनानी होगी"

- "खेलों को पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने से होगा सुधार"
- "ओलंपिक में मैडल जीतने के लिए शिक्षण संस्थानों में खेल ज़रूरी"
- राष्ट्रीय खेल दिवस पर 10 हज़ार कदम चले छात्र
- फिट इंडिया कैंपेन के लिए शपथ भी ली
- "बीमारियों को दूर रखने के लिए खेलना आवश्यक"

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज मेजर ध्यानचंद जी के जन्मदिवस के मौके पर राष्ट्रीय खेल दिवस आयोजित किया गया। इस मौके पर सहायक निदेशक खेल श्री विवेक पांडे ने कहा कि अगर देश को ओलंपिक्स में अधिक से अधिक मैडल जीतने हैं तो खेलों को प्रत्येक स्कूल, कॉलेज, शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के हर पाठ्यक्रम में सम्मिलित करना होगा। उनका कहना था कि इन संस्थानों को "**एक छात्र, एक खेल**" की नीति अपनानी होगी ताकि छात्र-छात्राएं स्वस्थ तन-स्वस्थ मन के साथ देश के स्वस्थ नागरिक बन सकें और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सकें।

विश्वविद्यालय के छात्र आज राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 10 हज़ार कदम भी चले। विश्वविद्यालय के बारला अकादमिक परिसर से ये छात्र-छात्राएं खेल विभाग और चिकित्सा विभाग की टीम के साथ साढ़े चार किलोमीटर दूर माखनी गांव के तालाब तक चले।

राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर छात्र-छात्राओं ने अपने विचार भी व्यक्त किए। विश्वविद्यालय की छात्र प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि वो लगातार बीमार रहने के कारण निराश थे लेकिन जब उन्होंने मेडिटेशन किया और खेलों से जुड़े तो उनके अंदर पॉज़िटीविटी आई। अन्य छात्र-छात्राओं सौम्या तिवारी, प्रतीक सागर,मोहन भदौरिया, अरविंद, अखिलेश विश्वकर्मा, विनय तिवारी, सुरभि राठौड़, प्रकाश कुमार और नताशा शर्मा ने अपने विचार रखें।

विश्वविद्यालय के डीन डॉ. नवीन मेहता ने कहा कि छात्र-छात्राओं को खेल के मैदानों से इसलिए भी जुड़ना चाहिए ताकि वे फिट रह सकें और बीमारियों को अपने से दूर रख सकें। उनका कहना था कि देश में 2030 तक 8 करोड़ लोग डायबिटीज़ से प्रभावित होंगे और अगर डायबिटीज़, ब्लडप्रेशर और मोटापे से बचना है तो खेलों के साथ कदमताल करनी होगी।

छात्र-छात्राओं के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी "फिट इंडिया कैंपेन" की शपथ ली और स्वस्थ रहने के लिए खेल से जुड़ने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज पूरे देश के शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ इस शपथ भी ली।

ऑडीटोरियम में छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों और कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "फिट इंडिया कैंपेन" का दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण भी देखा। ये लगातार तीसरा वर्ष है जब सांची विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया।

पत्रिका . शुक्रवार, 30 अगस्त, 2019
patrika.com
रायसेन-पत्रिका

10 हजार कदम चले

सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के मौके पर राष्ट्रीय खेल दिवस आयोजित किया गया। इस मौके पर सहायक निदेशक खेल विवेक पांडे ने कहा कि अगर देश को ओलंपिक्स में अधिक से अधिक मैडल जीतने हैं, तो खेलों को प्रत्येक स्कूल, कॉलेज, शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के हर पाठ्यक्रम में सम्मिलित करना होगा।

'स्वस्थ भारत के लिए एक छात्र एक खेल की नीति बनानी होगी'

ओलंपिक में मेडल जीतने के लिए शिक्षण संस्थानों में खेल जरूरी

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में गुरुवार को मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के मौके पर राष्ट्रीय खेल दिवस आयोजित किया गया। इस मौके पर सहायक निदेशक खेल विवेक पांडे ने कहा कि अगर देश को ओलंपिक में अधिक से अधिक मैडल जीतने हैं तो खेलों को प्रत्येक स्कूल, कॉलेज, शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के हर पाठ्यक्रम में सम्मिलित करना होगा।

उनका कहना था कि इन संस्थानों को एक छात्र एक खेल की नीति अपनानी होगी ताकि छात्र-छात्राएं स्वस्थ तन, स्वस्थ मन के साथ देश के स्वस्थ नागरिक बन सकें और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सके। विश्वविद्यालय के छात्र गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 10 हजार कदम भी चले। विश्वविद्यालय के बारला अकादमिक परिसर से ये छात्र-छात्राएं खेल विभाग और चिकित्सा विभाग की टीम के साथ साढ़े चार किलोमीटर दूर माखनी गांव के तालाब तक चले। राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर छात्र-छात्राओं ने अपने विचार भी व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय के छात्र प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि वो लगातार बीमार रहने के कारण निराश थे, लेकिन जब उन्होंने मेडिटेशन किया और खेलों से जुड़े तो उनके अंदर सकारात्मकता आई। अन्य छात्र-छात्राओं सौम्या तिवारी, प्रतीक सागर, मोहन भदौरिया, अरविंद, अखिलेश विश्वकर्मा, विनय तिवारी, सुरभि राठौड़, प्रकाश कुमार और नताशा शर्मा ने अपने विचार रखें। विश्वविद्यालय के डीन डॉ. नवीन मेहता ने कहा कि छात्र-छात्राओं को खेल के मैदानों से इसलिए भी जुड़ना चाहिए ताकि वे फिट रह सकें और बीमारियों को अपने से दूर रख सकें। उनका कहना था कि देश में 2030 तक 8 करोड़ लोग डायबिटी से प्रभावित होंगे और अगर डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और मोटापे से बचना है।

रायसेन। राष्ट्रीय खेल दिवस पर 10 हजार कदम चले छात्र। ● नवदुनिया

खेल दिवस पर विभिन्न खेल प्रतियोगिता संपन्न हुई

बेगमगंज। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा समन्वयक सुभाष रैकवार की अगुवाई में खेल दिवस पर विभिन्न खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। उत्कृष्ट विद्यालय के खेल मैदान पर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव टेलीकास्ट फिट इंडिया मूवमेंट एलईडी पर देखा और उन्हें सुना। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट विद्यालय, सेंट थॉमस सीनियर सेकंडरी स्कूल सहित कई स्कूलों के एटलेटिकों ने 400 मीटर की दौड़ में प्रियांश रिछारिया, सूर्यभान सोलंकी एवं 800 मीटर में अंश भारद्वाज व अपूर्व जैन और 15 मीटर में सत्यम शर्मा, सूर्यभान सिंह सोलंकी इत्यादि खिलाड़ियों ने भाग लिया। विजेता में प्रथम पुरस्कार उत्कृष्ट विद्यालय एवं सेंट थॉमस कान्वेंट स्कूल के एथलीट ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य बीपी रैकवार, पीटीआई रामगोपाल नेमा, समन्वयक सुभाष रैकवार, कान्वेंट स्कूल के पीटीआई पीएस ठाकुर की मौजूदगी में संपन्न हुए।

खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने हुनर दिखाया

सुल्तानगंज। संकुल केंद्र सुनवाहा विकासखंड बेगमगंज की एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला रहमा में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर हॉकी के जादूगर पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ध्यान चंद्र के चित्र पर माल्यार्पण संस्था प्रमुख बिहारी अहिरवार एवं शिक्षक अमर सिंह राजपूत रामकृष्ण अहिरवार द्वारा किया गया। बाद में विद्यालय के खेल परिसर में खो-खो कबड्डी एवं अन्य खेल कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जहां पर छात्र-छात्राओं ने अपना जौहर दिखाया। इस दौरान संस्था प्रमुख बिहारी अहिरवार ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं में आपसी सद्भाव एवं शारीरिक मानसिक विकास में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित थे